अनुवाद सॉफ्टवेयर/टूल "कंठस्थ 2.0" विषय पर चार हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित कर भा.वा.अ.शि.प. - वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम ने हासिल किया राजभाषा लक्ष्य

सहायक महानिदेशक, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के पत्र सं. 8-12/2020/स.म.नि.(मी.व.वि.)/भा.वा.अ.शि.प./राजभाषा निरीक्षण/383 दिनांक 18 अक्टूबर, 2023 के अनुपालन में, भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम में संस्थान निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के निदेशन और मार्गदर्शन में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर/टूल **"कंठस्थ 2.0"** विषय पर अब तक कुल चार हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित किया गया है-

1. **प्रथम कार्यशालाः** संस्थान में दिनांक 29.12.2023 से 04.01.2024 तक कंठस्थ 2.0 विषय पर पाँच दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से चयनित 10 अधिकारियों/कर्मचारियों ने सहभागिता किया। सभी कर्मचारियों के पंजीकरण के पश्चात् उनके सरकारी कामकाज से संबंधित सॉफ्ट कॉपी फाइलों को लेकर "कंठस्थ 2.0" पर अनुवाद करने की प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया गया। दिनांक 04-01-2024 को कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. राजीब कुमार बोरा, वैज्ञानिक-जी तथा समूह समन्वयन (अनुसंधान), भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम द्वारा सभी सहभागियों को अनुवाद कार्य करने के लिए "कंठस्थ 2.0" सॉफ्टवेयर का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने का अनुरोध किया गया।

प्रथम हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

2. **द्वितीय कार्यशालाः** संस्थान में दिनांक 18 मार्च, 2024 को कंठस्थ 2.0 विषय पर एक दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से चयनित 10 अधिकारियों/कर्मचारियों ने सहभागिता किया। कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के द्वारा किया गया। उन्होंने हिन्दी कार्यशाला के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर अनुवाद के लिए आत्मनिर्भर भारत "स्थानीय के लिए मुखर" के तहत भारत सरकार द्वारा निर्मित एक स्वदेशी सॉफ्टवेयर है। उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से आह्वान किया कि इस सॉफ्टवेयर का हमें ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए।

द्वितीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

3. **तृतीय कार्यशालाः** संस्थान में दिनांक 06 से 11 जून, 2024 तक कंठस्थ 2.0 विषय पर चार दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान के विभिन्न प्रभागों/अनुभागों से कुल 52 अधिकारियों/कर्मचारियों ने सहभागिता किया। कार्यशाला के समापन सत्र (11.06.2024) में डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक महोदय ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद के लिए भारत सरकार द्वारा निर्मित एक स्वदेशी एवं उत्कृष्ट सॉफ्टवेयर/टूल है। उन्होंने स्वयं के द्वारा इस कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर का उपयोग करने की भी बात कही। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को गूगल ट्रांसलेट की बजाय भारत सरकार द्वारा निर्मित कंठस्थ 2.0 साफ्टवेयर का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। इससे स्वदेशी प्रणाली का डेटा-बेस बढ़ेगा ताकि भविष्य में हमें इस सॉफ्टवेयर से अधिकतम लाभ मिल सकें।

तृतीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

4. **चतुर्थ कार्यशालाः** संस्थान में दिनांक 18 जून, 2024 को कंठस्थ 2.0 विषय पर एक दिवसीय हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संस्थान से कुल 20 और भा.वा.अ.शि.प.-बाँस एवं रत्तन केंद्र, आइज़ॉल, मिजोरम से कुल 08 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) एवं वैज्ञानिक-जी डॉ. राजीब कुमार बोरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर अनुवाद के लिए बेहतर सॉफ्टवेयर/टूल है। हम सभी को कंठस्थ 2.0 साफ्टवेयर का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए।

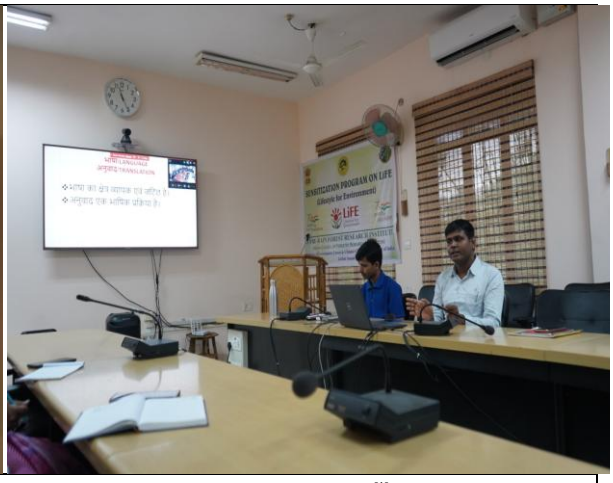

चतुर्थ हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञ के रूप में अनुवाद अध्ययन विषय में स्नातकोत्तर श्री शंकर शॉ, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अनुवाद, मानवीय भाषा, मशीनी भाषा, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ट्रांसलेशन मेमोरी, लोकल मेमोरी, ग्लोबल मेमोरी जैसे शब्दों से अवगत कराते हुए मशीन अनुवाद की परिभाषा व प्रकार, कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर तथा इसके मोबाइल एप का परिचय, पंजीकरण, प्रमुख विशेषताएं एवं कार्यप्रणाली आदि से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार की जानकारियाँ प्रदान की। **संस्थान के सभी हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशालाओं का संचालन करते हुए डॉ. विश्वनाथ शर्मा, वैज्ञानिक-सी एवं हिन्दी नोडल अधिकारी ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से आग्रह किया कि कंठस्थ 2.0 सॉफ्टवेयर में कार्य करने में आ रही समस्याओं के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ से सहयोग लेने का अनुरोध एवं प्रेरित किया।**

ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित अनुवाद प्रणाली/टूल/सॉफ्टवेयर **"कंठस्थ 2.0"** संस्करण का संपूर्ण कार्यालय सहित दोनों केंद्रों अर्थात् भा.वा.अ.शि.प.-बाँस एवं रत्तन केंद्र, आइज़ॉल, मिजोरम एवं भा.वा.अ.शि.प.-आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला, त्रिपुरा में प्रचार-प्रसार करने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.स., जोरहाट द्वारा चरणबद्ध तरीके से उपरोक्त दिनांकवार विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई। संस्थान में अब तक कुल 100 से भी अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कंठस्थ 2.0 अनुवाद टूल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए दिनांक 13.06.2024 को एक परिपत्र जारी किया गया।

"कंठस्थ 2.0" विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने जैसी गतिविधियों को देखते हुए दिनांक 22 मार्च, 2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जोरहाट की 41वीं बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित **श्री बदरी यादव, परामर्शदाता एवं कार्यालय प्रधान, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट संस्थान की सराहना की गई।** साथ ही, उन्होंने इस कार्य को नराकास, जोरहाट के सभी सदस्य कार्यालयों के लिए अनुकरणीय कार्य बतलाया।

****